UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 35 पंडित जवाहरलाल नेहरू (महान व्यक्तिव)

पाठ का सारांश

पंडित जवाहरलाल नेहरू कुशल राजनीतिज्ञ और उच्चकोटि के विचारक थे। 'मेरी कहानी', 'विश्व इतिहास की झलक' 'भारत की खोज' इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं। ये खेल, संगीत और कला के लिए भी समय निकाल लेते थे। ये बच्चों को प्रिय थे। उनमें ये 'चाचा-नेहरू के नाम से लोकप्रिय हैं। 14 नवम्बर को इनका जन्मदिवस 'बाल-दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

पं० नेहरू का जन्म प्रयाग (इलाहाबाद) में 14 नवम्बर, 1889 ई० को हुआ। इनके पिता मोतीलाल नेहरू प्रसिद्ध वकील थे। माता स्वरूपरानी उदार महिला थीं। नेहरू जी की आरंभिक शिक्षा घर में ही हुई विलायत से वकालत की शिक्षा पूरी कर इलाहाबाद में इन्होंने वकालत शुरू कर दी। उसी समय इनकी भेंट गांधी जी से हुई। वकालत छोड़कर ये स्वाधीनता संग्राम में देश को आजाद कराने के लिए सक्रिय हो गए।

सन 1919 ई० में जलियाँवाला बाग काण्ड से देश में क्रोध की ज्वाला धधक उठी। सन 1920 ई० में गांधी जी ने असहयोग आन्दोलन शुरू कर दिया। सन 1921 ई० में प्रिंस ऑफ वेल्स भारत आए। उनके स्वागत का बहिष्कार किया गया। इलाहाबाद में विरोध का नेतृत्व नेहरू जी ने किया। ये पहली बार अपने पिता के साथ जेल गए। इसके बाद इन्होंने नौ बार जेलयात्रा की; किंतु ये विचलित नहीं हुए।

अन्ततः 15 अगस्त, 1947 को भारत स्वाधीन हुआ और नेहरू जी प्रथम प्रधानमंत्री बने। देश की जर्जर आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए इन्होंने दूरदर्शिता और कर्मठता से कृषि और उद्योगों के विकास हेतु पंचवर्षीय योजनाओं की आधारशिला रखी। जिसके कारण आज देश में बड़े-बड़े कारखाने, वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ और विशाल बाँध दिखाई देते हैं। नेहरू जी ने देश के विकास के लिए अनेक कार्य किए। देश को शक्ति सम्पन्न बनाने के लिए इन्होंने परमाणु आयोग की स्थापना की। नेहरू जी ने देश को विज्ञान और तकनीकि के क्षेत्र में समर्थ बनाया। 27 मई, 1964 को इनका निधन हो गया।

https://www.evidyarthi.in/